Annual Report

(April, 2021 to March, 2022)

GMSSS
WORKING FOR SOCIAL CHANGE

District - Janjgir-Champa & Korba (C.G.)

Submitted By :

Grammitra Samaj Sevi Sanstha Champa

Reg.Office : Kadam Chowk, post champa 495671

Admin.Office : Ward No.19, Sahid Smarak Road,champa

Field Office : Hati Road Kartala (Korba)

Champa-495671, Contact No. : 9424161505, 9303061505

Email ID - grammitracg@gmail.com

प्रस्तावना

ग्राममित्र समाज सेवी संस्था छत्तीसगढ़ सोसायटी पंजीकरण अधिनियम के तहत पंजीकृत है। ग्राममित्र एक अलाभकारी एवं स्वैच्छिक संस्था है जो जांजगीर – चाम्पा एवं कोरबा जिले में शिक्षा एवं स्वास्थ्य आजीविका एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु कार्य कर रही है जिससे निवासरत् समुदाय को शासन की योजना का लाभ मिल सके। इसी के तहत संस्था द्वारा समेकित बाल विकास योजना के अंतर्गत कोरबा जिले में संचालित आंगनबाड़ी केन्द्रों, स्कूलों का सर्वांगीण विकास तथा 35 गावों में निवासरत् आदिवासी परिवार में गुणात्मक सुधार हो तथा जांजगीर – चाम्पा जिले में प्रवासी श्रमिकों के स्वास्थ्य जागरूकता हेतु उनके जीवन को बेहतर बनाने हेतु संस्था सतत् प्रयासरत् है।

आभार

प्रिय साथियों,

सादर जोहार

जैसा कि आप जानते है ग्राममित्र एक पंजीकृत संस्था है जो सन 1999 से कोरबा एवं जांजगीर – चाम्पा जिले में जनजाति एवं अन्य वचित समुदाय के सामने आने वाले मुद्धो के मुख्य धारा के लिये प्रयास किया है स्वास्थ्य और शिक्षा में समस्याओं को हल करने के लिए कई नेटवर्को के साथ कार्यशालाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये है स्थापना के बाद से संस्था ने स्थानीय सरकारी संस्थाओं और अन्य कमजोर समुदायों के विकास आकांक्षाओं के बीच अंतर को जोड़ने को प्रयास किया है। हम आप सभी अनुदान देने वाले साथियों का आभारी है जो लगातार सहयोग प्रदान कर रहे है।

वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन

2021–22

❖ संस्था द्वारा Child RighHs And You के सहयोग से कोरबा जिले के करतला एवं कोरबा ब्लाक के 16 गांव में स्वास्थ्य एवं शिक्षा को लेकर संस्था द्वारा निम्न कार्य किए जा रहे है।

❖ SMC (School Management Committee) :– 18 स्कूल के 288 SMC सदस्यों का गठन एवं क्षमतावर्धन किया गया जिसके फलस्वरूप सदस्यों ने उक्त गांवो में निम्न विकास कार्य करवाया :– 1 स्कूल में आहाता निर्माण, 2 स्कूल में नया भवन निर्माण, 3 स्कूल में मरम्मत करवाया गया।

❖ T.L.M. (Teaching Learning Materials) :– करतला के संकुल केन्द्र में 50 SMC सदस्यों एवं शिक्षको को बच्चों को ज्स्ड के द्वारा पढ़ाने का प्रशिक्षण दिया गया जिसके परिणाम स्वरूप बच्चों के पढ़ाई में सुधार आया है।

❖ बाल समूह :– बच्चों का स्कूल में उपस्थिति बढ़ाने एवं खेलकूद का गठन किया जाना जिसमें कुल 1141 बालक बालिका शामिल है। जिसके परिणाम स्वरूप बच्चों द्वारा साफ–सफाई एवं स्कूल नियमितीकरण में सुधार हुआ है।

❖ एनीमिया पर जागरूकता :– संस्था द्वारा गठित 19 किशोरी समूहों के 352 सदस्यों से 50 प्रतिशत बालिकाओं का हीमोग्लोबिन शासन द्वारा स्वास्थ्य शिविर लगाकर जांच कराया गया जिसमें 60 प्रतिशत किशोरियों में रक्त अल्पता पाई गई। जिसे आयरन की गोली, किचन गार्डन, पौस्टिक खान– पान करने का सलाह दिया गया। साथ ही मासिक धर्म के दौरान साफ – सफाई को करने का प्रशिक्षण दिया गया।

❖ महिला मण्डल :– संस्था द्वारा कार्यक्षेत्र में 16 महिला मण्डल में 160 सदस्य है जिसमें 66 मीटिग 1 वर्ष में किया गया। उस मीटिग में महिला मण्डल को Capacity Building किया गया जिसके परिणाम स्वरूप महिलाओं द्वारा गावों में कोरोना महामारी के दौरान सभी को टीकाकरण लगवाना, स्कूल एवं आगनबाड़ी में निगरानी रखना एवं किचन गार्डन, स्वास्थ्य जागरूकता, गर्भवती महिलाओं का समय पर टीकाकरण कराना जिससे स्वास्थ्य में सुधार हो सके।

❖ Oximeter का वितरण :– सभी 16महिला मण्डल को स्वास्थ्य जांच हेतु Oximeter, B.P. Machine, Tempreture Machine दिया गया जिसके परिणाम स्वरूप कोविड–19 के दौरान जरूरत पड़ने पर जांच करती थी।

❖ ओपन स्कूल परीक्षा :– शाला त्यागी बच्चों को जागरूक कर शिक्षा के प्रति रूझान बढ़े, आगे की पढ़ाई कर सके इस हेतु 11 बच्चो को ओपन स्कुल परीक्षा दिलवाया गया जिसमें सभी उत्तीर्ण हुए।

❖ स्वरोजगार प्रशिक्षण :– कार्यक्षेत्र के 15–18 वर्ष के शाला त्यागी बच्चो को स्वरोजगार हेतु कौशलविकास योजना के तहत प्रशिक्षण लेने हेतु कोरबा में जानकारी दिया गया जिसके परिणाम स्वरूप कुछ स्वरोजगार स्थापित कर कार्य कर रहे है।

❖ बच्चो का स्कूल मे नामांकन :– कार्यक्षेत्रद के सभी 06–14 वर्ष के बच्चों का निशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा के तहत स्कुल में दाखिला कराया गया।

❖ आंगनबाडी में दाखिला :– कार्य क्षेत्र के 16 गांव के आंगनबाड़ी में जाने लायक सभी बच्चों का दाखिला कराया गया जिसमें नियमितीकरण हेतु महिला मण्डल को जिम्मेदारी दी गई।

❖ टीकाकरण :– कार्य क्षेत्र के 22 आंगनबाड़ी केन्द्र में एक वर्ष पूर्ण करने वाले 84 बालक एवं बालिकाओ तथा 58 गर्भवती महिलाओ को नियमित टीकाकरण कराया गया।

❖ स्तनपान कराना :– कार्यक्षेत्र में बच्चो को कुपोषण से बचाने हेतु सभी गर्भवती एवं शिशुवती माताओं को बच्चो को नियमित 6 माह तक मॉ का दूध अवश्य पिलाने हेतु बताया गया।

❖ NRC में भर्ती :– (Nutrition rehabilitation center) पोषण पुर्नवास केन्द्र– कार्य क्षेत्र के सभी कुपोषित बच्चो के कुपोषण दूर करने हेतु उनके अभिभावक के साथ केन्द्र करतला में 14 दिन के लिए भेजा जाता है, जहां पर उनका इलाज कर स्वस्थ होकर वापस भेजा जाता है इस दौरान उनको घर में बच्चो को पोषण हेतु एक मुस्त 2250 रूपये दिया जाता है।

❖ चाईल्ड सेंटर प्रशिक्षण :– कार्यक्षेत्र के 16 गांव के 300 बच्चो एवं अभिभावको को बाल विकास के चरण के तहत 10–18 वर्ष के बच्चो का प्रशिक्षण दिया गया जिसमें निम्न चरण के तहत जानकारी दिया गया– 1. बाल विकास के तहत बच्चो के शरीर में एवं

मन में जो बदलाव आते है उसके बारे में जानकारी दिया गया इसी तरह से, 2– जीवनकौशल में सकारात्मक सोच स्वंय की पहचान, लैंगिक भेदभाव आदि के बारे में प्रशिक्षण दिया गया इसी प्रकार मानसिक विकास, सामाजिक विकास, शारिरिक विकास के बारे में विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया जिसके परिणाम स्वरूप बच्चो में अपने लक्ष्य एवं उद्देश्य तय करने में सहायता प्राप्त हुआ।

❖ रोजगार गारंटी जागरूकता बैठक :– कार्यक्षेत्र में 750 परिवार को 100 दिन रोजगार प्राप्त करने हेतु जागरूक किया गया जिसमें उन्हे 193 रूपये की दर से 100 दिन का रोजगार प्राप्त हुआ।

❖ वनोपज संग्रहण एवं विक्रय :– कार्यक्षेत्र के 250 परिवारो द्वारा महुआ, चार, चिरौंजी, हर्रा, बहेरा, लाख जंगल से एकत्र किया जाता है उसे उचित मूल्य पर बेचने हेतु जागरूक किया जाता है जिसके परिणाम स्वरूप उक्त 250 परिवार के आय में वृध्दि हुई।

❖ ग्रीष्मकालीन शिविर :– कोरोना के दौरान बच्चो में एक निष्क्रियता आ गई थी जिससे वे उदास रहते थे संस्था द्वारा कार्यक्षेत्र के 10 गांव में ग्रीष्मकालीन शिविर किया गया जिसमें 320 बच्चो ने भाग लिया, उनकी पसंद के अनुसार खेल का आयोजन किया गया जिसमें प्रमुख रूप से बालक बालिका दौड़, जलेबी दौड़, तीन तगड़ी दौड, फूगड़ी, कुर्सी दौड़ कराया गया, जिससे बच्चो को उत्साह आया उनके अनुसार उसे और कराने की जरूरत है।

❖ ECCE पर क्षमतावर्धन कार्यक्रम :– दिनॉक 04/12/2021 को कार्यक्षेत्र के आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, महिला मण्डल, किशोरी बालिका की उपस्थिति में 1 दिवसीय Early Child Care & Education पर क्षमतावर्धन कार्यक्रम किया गया जिसमें आंगनबाड़ी विभाग से सुपरवाईजर द्वारा ECCE के प्रमुख तत्व, शिक्षा, पोषण, स्वास्थ, उचित देख भाल, अनुकूल वातावरण, खेलकूद सीखने के अवसर, शारीरिक विकास, मनसिक विकास, बौद्धिक विकास के बारे में विस्तार से बताया गया। आंगनबाड़ी को कैसे आकर्षक बनाया जाए जिससे बच्चे वहां पर आने के लिए उत्साहित रहें। बच्चों का वजन, टीकाकरण, कुपोषण, किचन गार्डन आदि में भाग लेने हेतु उपस्थित सभी को कहा गया NRC की प्रभारी रूकमणी कंवर ने कुपोषण को लेकर जानकारी दी उन्होनें बताया कि NRC में बच्चों को मां के साथ 15 दिन तक रखा जाता है बच्चों को कैसे पालन पोषण किया जाता है जिससे वे घर में जाकर बच्चों का देखभाल कर सके।

- ECCE के पॉलिसी को तीन भागों में रखा गया है –
- 1. गर्भ से जन्म तक
- 2. जन्म से 3 वर्ष तक
- 3. 3 वर्ष से 6 वर्ष तक

- 0 –3 वर्ष के बच्चों को प्यार व स्नेह भरा वातावरण चाहिए। उसके साथ बातचीत करना, खेलना, चुटकी बजाना, जीभ लबलबाना, ताली बजाना, झुनझुना बजाना इस से शारीरिक व मानसिक विकास होता है।

- त्रैमासिक बैठक :– कार्यक्षेत्र में अभिभावक एवं शिक्षकों की बैठक :– दिनॉक 23 मार्च 2022 को ब्लाक रिसोर्स सेन्टर, करतला में शाला प्रबंधन समिति पालकों, शिक्षकों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में शिक्षा के अधिकार कानून के तहत स्कूल में उपलब्ध आधारभूत संरचना, स्कूल बिल्डिंग, बाउन्ड्रीवाल, पंखा, लाईट, शौचालय आदि का अनिवार्य रूप से उपलब्धता पर चर्चा किया गया। बच्चों के गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा कोरोना के दौरान पढ़ाई का नुकसान एवं उसकी भारपाई पर चर्चा किया गया। जिसमें तय किया गया कि आधारभूत संरचना को सुधारने हेतु यथाशीघ्र SMC द्वारा कलेक्टर को आवेदन दिया जाएगा। बच्चों को पढ़ाई सुधारने हेतु 2 घंटे स्कूल पूर्व या स्कूल पश्चामत कमजोर बच्चों को पढ़ाया जाएगा। मीटिंग में शिक्षा समन्वयक कौशिक जी, संकुल समन्वयक अजय तिवारी जी, पालक एवं शिक्षक उपस्थित थे।

❖ दिव्यांगता प्रमाण पत्र वितरण :– दिनांक 10 फरवरी 2022 को करतला में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया था, जिसमें 6 – 18 वर्ष के पांच बच्चों का दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनवाया गया।

❖ शिक्षण सामग्री वितरण :– दिनांक 12 जनवरी 2022 को स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर 4 गांव के विशेष पिछड़ी जनजातियों के बच्चों को कापी, पुस्तक, पेंसिल, रबर, कटर आदि शिक्षण सामाग्री वितरित किया गया।

❖ बच्चों का गुणवत्तापूर्ण मूल्यांकनः– कार्यक्षेत्र के 4 आंगनबाड़ी एवं स्कूल के बच्चों का त्रैमासिक मूल्यांकन परीक्षा लिया गया जिसमें बच्चों से मौखिक एवं लिखित आंकलन किया गया इस आंकलन में बच्चों का कक्षावार योग्यता कम पायी गई जिसे सुधारने हेतु शिक्षकों एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के सुझाव दिया गया।

❖ स्वास्थ्य शिविर :– दिनांक 08 मार्च 2022 को महिला दिवस के अवसर पर गांव – कोई में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें करतला के डॉक्टर द्वारा 35 लोगों का खून जांच, B.P., Sugar जांच किया गया एवं दवा भी दिया गया तथा पौष्टिक खान पान लेने की सलाह दी गई।

❖ कुपोषण पर प्रशिक्षण :–दिनांक 17 व 18 दिसम्बर 2021 को सामुदामिक भवन डोंगाआमा और करतला में कुपोषण दूर करने पर 2 दिवसीय प्रशिक्षण रखा गया। जिसमें संस्था के अध्यक्ष द्वारा कुपोषण पर विस्तार से चर्चा किया गया जिसमें कुपोषण कैसे होता है, किस उम्र में होता है, किसको होता है और इसे हम कैसे बच सकते है, ग्रुप द्वारा प्रस्तुतीकरण किया गया जिसमें समूहों ने प्रस्तुती द्वारा बनाया गया कि कम उम्र में शादी, खून की कमी, कम उम्र में बच्चों का जन्म आदि प्रमुख कारण है।

❖

❖ दूसरे दिन सामुदायिक भवन – करतला में राष्ट्रगान के साथ शुरूआत किया गया सभी के परिचय पश्चात् NRC प्रभारी रूकमणी कंवर ने कुपोषण के दुषपरिणाम को बताते हुए बताया कि महिलाओं में रक्त अल्पता, घेंघा रोग, बच्चों में सूखा रोग, रतौंधी आदि कुपोषण के दुषपरिणाम है। इस हेतु सही समय में शादी करें तथा भोजन में हरी सब्जियां, दाल, रोटी, चांवल, आलू, दूध, दही, पनीर, मांस, मछली, अण्डा आदि का नियमित उपयोग करने से बचा जा सकता है। कुपोषित बच्चों को NRC में भेजने हेतु जानकारी दिया गया। प्रतिभागियों को कुपोषण दूर करने संबंधित IEC Materials भी वितरित किया गया।

❖ सूखा राशन वितरण :– संस्था द्वारा 170 अत्यंत पिछडी जनजातिया एवं जरूरतमद परिवारों को सूखा राशन वितरण किया गया सूखा राशन में चांवल, दाल, चना, बडी, शक्कर, तेल, नमक, हल्दी लगभग 1 माह के उपयोग हेतु स्थनिय जन प्रतिधियों के उपस्थिति में वितरण किया गया 2 वर्षो के निरन्तर वैष्विक माहामारी के कारण लोगों को रोजगार में कमी आई है ऐसे समय में विक्रम लाल – दिल्ली के सौजन्य से यह राशन वितरण किया गया। राशन प्राप्त कर सभी हितग्राहियों ने संस्था को धन्यवाद दिया।

❖ खेल समाग्री वितरण :– CRY के सहयोग से संस्था द्वारा छत्ब करतला में बच्चों को खेलने हेतु घोड़ा, कार, फूटबाल, टेडीबियर, फिसलपट्टी, कुर्सी झूला आदि वितरण किया गया जिससे बच्चों को खेलने से मानसिक स्वस्थता रहेगी।

Component wise activity details (Targets and achievements of each of the targeted activities given in proposal by TI organization) घटक अनुरूप गतिविधियों का वर्णन एवं प्रत्येक लक्ष्य एवं उपलब्धियॉ प्रक्रिया जो कि प्रपोजल में वर्णित हो।

1. BCC (व्यवहार परिवर्तन एवं संचार)

S.no.	Activity	Annual Target	Achievement
1	One to One by ORWs	10000	10825
2	One to One by PLs	40000	37305
3	One to Group Discussion by PLs	2000	2432
4	Condom Demo	8000	9100
5	Condom Redemo	8000	9210
6	Counseling	1332	6342

2. Condom Promotion (कंडोम प्रोत्साहन)

S.no.	Activity	Annual Target	Achievement
1	Condom Promotion / Distribution	260000	29670
2	Condom Demo and Redemo	16000	18310
3	Establishment of condom outlets	Min. 50	41

3. STI management (एस.टी.आई. प्रबंधन)

S.no.	Activity	Annual Target	Achievement
1	Outreach Camp	240	241
2	Identification STI	1000	91
3	Treated STI	91	91

4. Community mobilization (सामुदायिक गतिषीलता) –

Creating enabling environment (अनुकूलन वातावरण निर्माण)

S.no.	Activity	Annual Target	Achievement
1	Advocacy Meeting at site	12	12
2	Street Theatres/ Nukkad Natak	12	12
3	Congregation Event	8	8
4	Demand Generation Activities	12	12

5.Linkages and Referrals (लिंकेजेस एवं रेफरल)

S.no.	Activity	Annual Target	Achievement
1	Establishment linkages with all relevant services Providers/ Department	As per requirement	As per requirement
2	Referral to ICTC	3000	4430
3	Follow up	100 persent	100 persent
4	Referral to ART	100 persent	As per requirement
5	Follow up	100 persent	As per requirement
6	Referral to DOT centre	100 persent	As per requirement
7	Follow up	100 persent	As per requirement
8	Documentation and Reporting		As per requirement

6. Monitoring and evaluation (निरीक्षण एवं मूल्यांकन)

S.no.	Activity	Annual Target	Achievement
1	PL Review Meeting	12	12
2	Staff Weekly Meeting	48	48
3	Staff Monthly Review Meeting	12	12
4	Monthly Out Reach Plan	12	12

7. Major Achievement during project implementation (प्रोजेक्ट कार्यालय के समय की गई मुख्य उपलब्धियॉ)

- **वन–टू–वन** :–सभी हॉट–स्पॉट साइड में ओ.आर.डब्ल्यू. द्वारा 10825 वन–टू–वन किया गया ।
- **जी डी** :–सभी हॉट–स्पॉट क्षेत्रों में ओ.आर.डब्ल्यू द्वारा 549 समूह चर्चा कि गई।
- **कंडोम डेमो एवं रिडेमो** :–सभी हॉट–स्पॉट साइड में कंडोम डेमो 9100 व 9210 रिडेमो किया गया।
- **परामर्श** :–अब तक एच.आई.व्ही., एस.टी.आई. आर.टी.आई., एब्सेस को लेकर डी.आई.सी. एवं हॉट–स्पॉट क्षेत्र में 6342 परामर्श किया जा चुका है।
- ***यौन संक्रमण का उपचार*** :– जांजगीर चांपा जिले में प्रवासी के मध्य 1 वर्षो में यौन जनित रोगों की गुणवत्तायुक्त उपचार एवं काउंसलिंग सुविधा उपलब्ध कराने हेतु संस्था द्वारा निम्न प्रयास किए गए – अब तक एस.टी.आई. आर.टी.आई. के उपचार हेतु 4 पी. पी.पी. डॉ. रमाकांत राठौर, डॉ. कपूर, डॉ. हरिश श्रीवास एवं डॉ. अमित दुबे के द्वारा अब तक 241 एक दिवसीय स्वास्थ्य परीक्षण शिविर कराया गया उपरोक्त कार्यक्रम के संचालन के पश्चात अधिकतर प्रवासी मजदूरों में स्वास्थ्य एवं एच.आई.व्ही./एड्स एवं एस.टी.आई. /आर.टी.आई. के संबंध मे जागरुकता आई है। व उनके द्वारा संस्था के इस कार्यक्रम मे सहयोग एवं सराहना कि जा रही है।

- **सामूदायिक गतिशिलता** :–जांजगीर चांपा जिले में 12151 प्रवासी मजदूरों का पंजीयन किया गया साथ ही कम्युनिटी मोबलाइजेशन एवं ऑनरशिप के प्रति संवेदनशील बनाने हेतु निम्न प्रयास किए गए – इसके अंतर्गत प्रत्येक हॉट स्पाट मे प्रतिमाह हेल्थ कैंप, ग्रुप इवेंट, नुक्कड नाटक, वी.पी.एल मिटिग और ओ.आर.डब्लु द्वारा माइग्रेंड के बिच कान्डोम डेमो रिडेमो किया जाता था। अब तक संस्था द्वारा प्रवासी मजदूरों के बिच इवेंट का आयोजन किया जा चुका है प्रत्येक इवेंट मे लगभग 50 प्रतिशत एच.आर.जी. उपस्थित हुए। जिससे संस्था के प्रति उनके विश्वास मे वृद्धि हुइ एवं संस्था के द्वारा किए जा रहे कार्यो का सराहना करते हुए आगे भी पूर्ण सहयोग प्रदान करने कि बात कही गई। इस क्षेत्र के एच.आर.जी. प्रवासी मजदूरों अपने आप में इतने सक्षम हो गये हैं कि अपने कार्य को सामजस्य से टी.आई. परियोजना के ओ.आर.डब्लू के साथ चर्चा कर अपनी समस्या का निवारण करते हैं ।

- **सक्षम वातावरण निर्माण** :– जांजगीर चांपा जिले में 10000 प्रवासी मजदूरों के टी.आई. कार्यक्रम के संचालन के लिए अनुकूलित वातावरण निर्माण करने हेतु निम्न प्रयास किए गए–: इसके अंतर्गत स्टेक होल्डर का चयन किया जा चुका है जिसमे पूरे क्षेत्र में स्टेक होल्डर, वी.पी.एल के माध्यम से एवं ग्रुप इवेन्ट के माध्यम अनुकुल वातावरण का निर्माण करने में सफल हुए। प्रतियोगिता में अपने मजदूरों का मनोबल बढांने के लिए प्रतियोगिता में सहभागिता निभाया गया जिससे एकल पुरूष प्रवासी के बीच सक्षम वातावरण का निर्माण हुआ ।

- **<u>संदर्भ सम्पर्क एवं जुड़ाव</u> :–** योजना क्षेत्र के 10000 प्रवासी मजदूरों को लक्षित हस्तक्षेप कार्यक्रम एवं एचआईवी/एड़स/स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ जोडना। परियोजना से संबंधित लगभग सभी विभागो से संपर्क स्थापित किया जा चुका है। 31 मार्च 2022 तक एच.आई.व्ही. जांच हेतु 4430 रिफर किए गए जिसमें 3157 लोगो ने जांच करवाया व 2 एच.आई.वी. पॉजिटिव पाये गये। जिसमें 131 सिफलीस टेस्ट किया गया जिसमें से पॉजीटिव नही निकले, 91 एस.टी.आई का ट्रिटमेंट किया गया।

- **<u>मानिटरिंग एवं इवेल्यूशन</u>**:– जांजगीर चांपा जिले में 10000 प्रवासी मजदूरों के लिए गुणवत्ता युक्त देखरेख एवं मूल्यांकन व्यवस्था निश्चित करना। संस्था में ओ.आर.डब्लू एवं वी.पी.एल. के मानिटरिंग हेतु प्रति सप्ताह समीक्षा बैठक की जाती है तथा परियोजना निर्देशक द्वारा स्टाफ के सभी सदस्यों के साथ प्रतिमाह समीक्षा बैठक की जाती है। जिसमे इस माह के किए गए कार्यो कि समीक्षा कर आगामी माह के लिए मासिक आउट रीच प्लानिंग की जाती है तथा उसे परियोजना निर्देशक से मान्यता ली जाती है।

HIV TEST
STOP AIDS

स्वास्थ्य शिविर
STOP AIDS

Congregation Event
STOP AIDS